AMAR UJALA MY CITY PAGE 2 & 5

स्टूडेंट्स और शिक्षक घरों से गाएं जन गण मन...

स्वतंत्रता दिवस का उल्लास तो हमारा राष्ट्रीय पर्व है, इस दिन का जश्न हम सब मिलकर मनाएंगे। बस इस बार एक जगह इकट्ठा नहीं हो सकेंगे। मेरी विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स, शिक्षिकों व आम लोगों से अपील है कि वे सुबह 10 बजे राष्ट्रगान करें।

- प्रो. आलोक कुमार राय,
कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

लविवि : डेटा एनालिसिस की दी जानकारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग की ओर से बृहस्पतिवार को स्टेट क्राफ्ट सॉफ्टवेयर द्वारा आंकड़ों के विश्लेषण संबंधी एक वेबिनार आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता स्टेट क्राफ्ट, बंगलूरू के सांख्यिकीविद् शुभादीप डे ने आंकड़ों के विश्लेषण में आर प्रोग्रामिंग भाषा द्वारा प्रयुक्त की जाने वाली विभिन्न विधियों को बताया। वेबिनार संयोजक सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव पांडेय ने आंकड़ों के विश्लेषण की जानकारी दी। संचालन शोध छात्रा मेघना ऐथवानी ने किया।

प्रो. मनोज दीक्षित बने विभागाध्यक्ष

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में लोक प्रशासन विभाग में प्रो. मनोज दीक्षित नए विभागाध्यक्ष बनाए गए हैं। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह के अनुसार उनकी नियुक्ति तीन साल के लिए की गई है।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू: पीएचडी के लिए आवेदन अगले सप्ताह से

दाखिले

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2020-21 में पीएचडी प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया अगले सप्ताह से शुरू होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है।

आवेदन लेकर इसे जल्द से जल्द पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। बता दें, विश्वविद्यालय में सत्र 2020-21 के प्रवेश बदले हुए नियमों के हिसाब से होंगे। नए नियम में अभ्यर्थी के एकेडमिक इंडैक्स को शामिल करने के साथ ही साक्षात्कार के दायरे को सीमित कर दिया गया है।

यह बदलाव किए गए हैं :

पीएचडी प्रोग्राम में चयन में अब शोध प्रवेश परीक्षा के साथ नेट/जेआरएफ, एकेडमिक इंडैक्स का भी मूल्यांकन किया जाएगा। 70 प्रतिशत अंक प्रवेश परीक्षा के आधार पर होंगे। बचे हुए 30 प्रतिशत में नेट/जेआरएफ का वेटेज और एकेडमिक इंडैक्स के साथ वाइवा को आधार बनाया जाएगा।

यहां वाइवा या साक्षात्कार के वेटेज को गिराकर 10 प्रतिशत तक सीमित कर दिया है। नेट/जेआरएफ वालों को भी शोध प्रवेश परीक्षा (आरईटी) और साक्षात्कार में शामिल होना होगा।

शोध प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र में 50 प्रतिशत सवाल रिसर्च मैथेडोलॉजी और 50 प्रतिशत सवाल विषय संबंधित होंगे। प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार दोनों में शामिल होना अनिवार्य होगा। शोध प्रवेश परीक्षा में 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य होगा।

सितम्बर से छात्रावास में रह सकेंगे परीक्षा देने वाले छात्र

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रावास एक सितम्बर से छात्रों के लिए खोले जाएंगे। आगामी 7 सितम्बर से प्रस्तावित वार्षिक परीक्षाओं के मद्देनजर यह फैसला लिया गया। छात्रावास में आने से पहले छात्रों को प्रोवोस्ट से सम्पर्क भी करना होगा।

विवि प्रशासन का दावा है कि छात्रों की सुरक्षा को देखते हुए छात्रावासों में व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि छात्रों को परीक्षा से एक हफ्ते पहले छात्रावासों में रहने की सुविधा दी जाएगी। सभी छात्रों को अपने वॉर्डन को अपने आने की तारीख एक हफ्ते पहले बतानी होगी। इसके अलावा कोरोना से बचाव सम्बंधी दिशा-निर्देश मान्य होंगे।

ये व्यवस्थाएं की गईं

छात्रावासों का सैनिटाइजेशन और थर्मल स्कैनिंग नियमित रूप से होगी। छात्रों के पास मास्क, सैनिटाइजर और दस्ताने होने चाहिए। छात्रों को अपनी निजी आवश्यकता का सामान, दवाइयां आदि लेकर आना है।

प्रो. मनोज दीक्षित बने विभागाध्यक्ष

लखनऊ। प्रो. मनोज दीक्षित को लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग के विभागाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गुरुवार को यह निर्देश जारी किए। इस बाबत लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ.विनोद कुमार सिंह ने बताया कि प्रो. दीक्षित कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि अथवा अधिवर्षता आयु पूर्ण होने तक अथवा कोई आदेश होने तक जो भी पहले घटित हो, तक के लिए स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

i-NEXT PAGE 2

पीएचडी के आवेदन अगले सप्ताह से

इस बार पीएचडी प्रवेश 2020-21 में रहेंगे बड़े बदलाव

LUCKNOW(13 Aug): एलयू में नए सत्र में अगले सप्ताह से पीएचडी दाखिले के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी. विवि प्रशासन का दावा है कि आवेदन की प्रक्रिया एक माह के अंदर पूरी कर ली जाएगी. दरअसल, विवि में इस सत्र की प्रवेश प्रक्रिया बदले हुए नियमों के हिसाब से होगी. नए नियम में अभ्यर्थी के एकेडमिक प्रारूप को शामिल करने के साथ ही साक्षात्कार को भी सीमित कर दिया गया है. इसके तहत पीएचडी प्रोग्राम के चयन में अब शोध प्रवेश परीक्षा के साथ नेट/जेआरएफ, एकेडमिक इंडैक्स का भी मूल्यांकन किया जाएगा. इसी क्रम में 70 प्रतिशत अंक प्रवेश परीक्षा के आधार पर होंगे. साथ ही 30 प्रतिशत में नेट/जेआरएफ का वेटेज और एकेडमिक इंडैक्स के साथ वायवा होगा. शोध प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र में 50 प्रतिशत प्रश्न रिसर्च मैथेडोलॉजी और शेष 50 प्रतिशत प्रश्न विषय से होंगे. अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार दोनों में शामिल होना अनिवार्य होगा. साथ ही शोध प्रवेश परीक्षा में 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य होगा. इसके बाद ही अभ्यर्थी आगे की प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे.

PIONEER PAGE 3

लखनऊ विश्वविद्यालय में दाखिले की तैयारी

पायनियर समाचार। लखनऊ

कोरोना काल मे दाखिले को लेकर आगामी 17 अगस्त को आवेदन फार्म भरने की अंतिम तिथि को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्रवेश प्रक्रिया को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। इस बार प्रवेश परीक्षा के बजाए स्नातक व परास्नातक के दाखिले मेरिट से होंगे। प्रवेश समिति के निर्णय के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने दाखिलों को लेकर दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। विवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि जो छात्र पहले आवेदन कर चुके हैं, उन्हें स्वयं सत्यापित दस्तावेज वेबसाइट पर अपलोड करने होंगे। जो छात्र अपने दस्तावेज अपलोड नहीं करेंगेए उन्हें दाखिले की प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाएगा।

इसके अलावा जांच में किसी छात्र के दस्तावेज, जाति व अन्य प्रमाण पत्र फर्जी पाए गए तो उसे दाखिला नहीं दिया जाएगा। बता दें कि दस्तावेज अपलोड करने के लिए छात्रों को 20 अगस्त तक का समय दिया गया है।

यह है आवेदन का शिड्यूल

बीएए बीएससी, बीकॉम, एलएलबी पांच वर्षीय, बीएफ, बीजेएमसी, बीबीए, बीबी, आईबी, बीबी, एमएस व बीबीए टूरिज्म के आवेदन की अंतिम तिथि 17 अगस्त है। जबकि दस्तावेज अपलोड करने की तिथि 20 अगस्त है। इसी तरह एमएड, एमपीएडए बीपीएडए एमए व एमएससी योगा में आवेदन की अंतिम तिथि 24 अगस्त निर्धारित की गई है।

एलयू में पीएचडी आवेदन की प्रक्रिया अगले सप्ताह से

लखनऊ। सत्र 2020.21 में पीएचडी कक्षाओं में दाखिले को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय में अगले सप्ताह से प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। दाखिले की प्रक्रिया नए नियमों के आधार पर होगी। नए नियम में अभ्यर्थी के एकेडमिक इंडैक्स को शामिल करने के साथ ही साक्षात्कार के दायरे को सीमित कर दिया गया है। पीएचडी प्रोग्राम में चयन में अब शोध प्रवेश परीक्षा ;आरईटी द्ध के साथ नेटध्जेआरएफए एकेडमिक इंडैक्स का भी मूल्यांकन किया जाएगा। 70 प्रतिशत अंक प्रवेश परीक्षा के आधार पर होंगे। बचे हुए 30 प्रतिशत में नेटध्जेआरएफका वेटेज और एकेडमिक इंडैक्स के साथ वाइवा को आधार बनाया जाएगा। यहां वाइवा या साक्षात्कार के वेजेट के गिराकर 10 प्रतिशत तक सीमित कर दिया है। नेटध्जेआरएफवालों को भी शोध प्रवेश परीक्षा ;आरईटीद्ध और साक्षात्कार में शामिल होना होगा। शोध प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र में 50 प्रतिशत सवाल रिसर्च मैथेडोलॉजी और 50 प्रतिशत सवाल विषय संबंधित होंगे। प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार दोनों में शामिल होने अनिवार्य होगा। शोध प्रवेश परीक्षा में 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य होगा। उसके बाद ही आगे की प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे।

पहली सितम्बर से हॉस्टलों में मिलेगा छात्रों को प्रवेश

आगामी सात सितंबर से प्रस्तावित परीक्षाओं को देखते हुए छात्रावासों में रहने वाले अंत:वासी छात्रों को पहली सितम्बर से विवि के छात्रावासों में रहने का मौका मिलेगा। हॉस्टल आने से पहले स्टूडेंट्स को प्रोवोस्ट से सम्पर्क करना होगा। साथ ही कोविड 19 की गाइडलाइन को पूरी तरह से फालो करना होगा।

प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षा से एक हफ्ते पहले स्टूडेंट्स को हास्टल में रहने की सुविधा दी जाएगी। इसके लिए सभी स्टूडेंट्स को अपने वॉर्डन को अपने आने की तारीख एक हफ्ते पहले बतानी होगी। इसके अलावा कोरोना से बचाव सम्बंधी दिशा.निर्देश अनिवार्य रूप से फॉलो किए जाएंगे। साथ ही स्टूडेंट्स पर बाहर आने जाने पर रोक रहेगी। खाने की व्यवस्था भी हॉस्टल में ही की जाएगी। जिससे उन्हें बाहर न जाना पड़े। उन्होंने बताया कि ये सुविधा केवल परीक्षाओं में शामिल होने वाले स्टूडेंट्स के लिए ही है। अभी अन्य स्टूडेंट्स के लिए हॉस्टल नहीं खोले जा रहे हैं।स्टूडेंट्स के लिए ये होंगी व्यवस्थाएं: हॉस्टल का सैनिटाइजेशन और स्टूडेंट्स की थर्मल स्कैनिंग नियमित रूप से होगी। स्टूडेंट्स के पास मास्क, सैनिटाइजर और दस्ताने होने चाहिए। स्टूडेंट्स को अपनी निजी आवश्यकता का सामान, दवाइयां आदि लेकर आना है। स्टूडेंट्स को अपनी निजी आवश्यकता का सामान, दवाइयां आदि लेकर आना है। किसी भी बाहरी व्यक्ति का हॉस्टल परिसर में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। यदि इस सम्बंध में कोई शिकायत मिलती है, तो कठोर कार्यवाही की जाएगी।

NBT PAGE 3

1 सितंबर से खुलेंगे एलयू के हॉस्टल

7 सितंबर से होनी हैं वार्षिक परीक्षाएं, सिर्फ फाइनल इयर के स्टूडेंट रहेंगे

■ **एनबीटी, लखनऊ:** लखनऊ विश्वविद्यालय के हॉस्टल एक सितंबर से फाइनल इयर के स्टूडेंट्स के लिए खोल दिए जाएंगे। एलयू प्रशासन ने सात सितंबर से प्रस्तावित वार्षिक परीक्षा के मद्देनजर यह फैसला लिया है। विवि प्रशासन का दावा है कि स्टूडेंट्स की सुरक्षा को देखते हुए हॉस्टल में इंतजाम किए जा रहे हैं।

एक सप्ताह पहले देनी होगी सूचना: प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षा से एक हफ्ते पहले से स्टूडेंट्स को हॉस्टल में रहने की सुविधा दी जाएगी। इसके लिए स्टूडेंट्स को एक हफ्ते पहले वॉर्डन को अपने आने की तारीख एक हफ्ते पहले बतानी होगी। खाने की व्यवस्था भी हॉस्टल में ही की जाएगी।

होंगे ये इंतजाम

- हॉस्टल का सैनिटाइजेशन और स्टूडेंट्स की थर्मल स्कैनिंग नियमित रूप से होगी।
- स्टूडेंट्स के पास मास्क, सैनिटाइजर और ग्लव्ज होने चाहिए।
- बाहरी व्यक्ति का हॉस्टल परिसर में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

लखनऊ विवि: शिक्षकों की बंपर नियुक्ति की तैयारी

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय अगले सप्ताह वॉक इन इंटरव्यू के जरिए 288 शिक्षकों की नियुक्ति की तैयारी कर रहा है। लखनऊ विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा. विनोद कुमार सिंह ने 24 विभागों में 288 विषय विशेषज्ञों की नियुक्ति के बारे में एक सर्कुलर संवंधित विभागाध्यक्षों को जारी किया है। इस सर्कुलर में मनोविज्ञान, पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट, रिन्यूएबल एनर्जी, लोक प्रशासन विभाग, सांख्यिकी, समाज कार्य, मानव चेतना एवं यौगिक विज्ञान संस्थान, रसायन शास्त्र, एनवायरमेंटल साइंस, माइक्रोवायोलॉजी, महिला अध्ययन, रक्षा अध्ययन, कला एवं शिल्प महाविद्यालय, प्राचीन एवं भारतीय इतिहास, ज्योतिर्विज्ञान, पुस्तकालय विज्ञान, शारीरिक शिक्षा, भाषा विज्ञान, विधि, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य संकाय, व्यापारिक अर्थशास्त्र, व्यापार प्रशासन में कुल 288 विशेष विषय विशेषज्ञों के लिए न्यूनतम योग्यता और वॉक इन इंटरव्यू तिथि के लिए वेवसाइट पर जल्दी ही सूचना प्रसारित कर दी जाएगी तथा उसी के अनुसार वाक इन इंटरव्यू आयोजित किए जाएंगे। अभ्यर्थियों को योग्यता के अनुसार सारे सर्टिफिकेट लेकर आना होगा।

अगले हफ्ते हो सकते है वॉक इन इंटरव्यू

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

लविवि में अगले सप्ताह शुरू होगी पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में वर्तमान सत्र के लिए पीएचडी में दाखिले के लिए आवेदन की प्रक्रिया अगले सप्ताह से शुरू होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है। एक महीने आवेदन लेकर इसे शीध्र पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। इधर, विश्वविद्यालय की ओर से पीएचडी के लिए बनाये गये नये नियमों के आधार पर ही प्रवेश लिया जायेगा। नए नियम में अभ्यर्थी के एकेडमिक इंडैक्स को शामिल करने के साथ ही साक्षात्कार के दायरे को सीमित कर दिया गया है।

- लविवि में पीएचडी प्रवेश की तैयारी शुरू
- पीएचडी प्रवेश के नियमों में हुए बदलाव

पीएचडी प्रोग्राम में चयन में अब शोध प्रवेश परीक्षा (आरईटी) के साथ नेट/जेआरएफ, एकेडमिक इंडैक्स का भी मूल्यांकन किया जायेगा।70 प्रतिशत अंक प्रवेश परीक्षा के आधार पर होंगे। बचे हुए 30 प्रतिशत में नेट/जेआरएफ का अधिभार और एकेडमिक इंडैक्स के साथ साक्षात्कार को आधार बनाया जायेगा। यहां साक्षात्कार के अधिभार (वेटेज) के प्रतिशत को गिराकर 10 प्रतिशत तक सीमित कर दिया है। नेट/जेआरएफ वालों को भी शोध प्रवेश परीक्षा (आरईटी) और साक्षात्कार में शामिल होना होगा। शोध प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र में 50 प्रतिशत सवाल रिसर्च मैथेडोलॉजी और 50 प्रतिशत सवाल विषय संबंधित होंगे। प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार दोनों में शामिल होना अनिवार्य होगा। शोध प्रवेश परीक्षा में 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य होगा।

उसके बाद ही आगे की प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि तैयारियां अंतिम चरण में हैं। अगले सप्ताह से शुरू करने की तैयारी है।

लविवि के 24 विभागों में अतिथि शिक्षक होंगे नियुक्त

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। लविवि के 24 विभागों में विषय विशेषज्ञों व अतिथि प्रवक्ताओं के 288 पदों पर नियुक्ति के लिए मांग की गयी है।इसके लिए कुलसचिव की ओर से 11 अगस्त को संकायाध्यक्ष (डीन) की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति गठित कर दी है और इसकी रिपोर्ट कुलसचिव को 13 अगस्त यानि गुरुवार तक देनी थी लेकिन मात्र पांच विभागों से रिपोर्ट आयी है।

लविवि के 24 विभाग में विषय विशेषज्ञ व अतिथि प्रवक्ताओं की नियुक्ति होनी है। इसमें मनोविज्ञान में 10, पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट में दो, रिन्युबल एनर्जी एज्युकेशन एंड रिसर्च में पांच, लोक प्रशासन विभाग में आठ, सांख्यिकी विभाग में आठ, समाज कार्य विभाग में 34, मानव चेतना एवं यौगिक विज्ञान संस्थान विभाग में तीन, रसायन शास्त्र विभाग में 43, वनस्पति विज्ञान विभाग में 20, वनस्पति विज्ञान विभाग में 22, महिला अध्ययन विभाग में चार, रक्षा अध्ययन विभाग में छह, कला एवं शिल्प महाविद्यालय 10, प्राचीन एवं भारतीय इतिहास विभाग में चार, ज्योतिर्विज्ञान विभाग में छह, पुस्तकालय विज्ञान विभाग में आठ, शारीरिक शिक्षा विभाग में चार, भाषा विज्ञान विभाग में दो, विधि विभाग में 18, वाणिज्य विभाग में कुल 15 इसमें बीकॉम सात, एमकॉम एसएफसी में आठ, वाणिज्य संकाय में बीकॉम आनर्स के तहत 24, बीकॉम एसएफसी 20, व्यापारिक अर्थशास्त्र विभाग में एमकॉम एसएफसी में आठ और व्यापार प्रशासन विभाग में एमबीए एसएफसी में चार पद के लिए विवरण मांगा गया हैं। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार अभी तक पांच विभागों रिपोर्ट आ गयी है। फिलहाल इस संबंध में कुलसचिव की प्रतिक्रिया लेने का प्रयास किया गया लेकिन फोन नहीं मिल पाया।

- डीन की अध्यक्षता में समिति गठित, मांगी गयी रिपोर्ट

समिति गठित : लविवि के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह की ओर से विषय विशेषज्ञ और अतिथि प्रवक्ताओं की नियुक्ति के लिए पांच सदस्यीय चयन समिति गठित किया है। इसमें संबंधित संकायाध्यक्ष अध्यक्ष, संबंधित विभागाध्यक्ष सदस्य, डीन, रिक्रयूटमेंट एंड एसेसमेंट या उनके द्वारा नामित सदस्य, विषय विशेषज्ञ (कुलपति द्वारा नामित) सदस्य और कुलसचिव या उनके द्वारा नामित सदस्य सचिव है।

आंकड़ों के विश्लेषण पर वेबिनार संपन्न

लखनऊ। लविवि के सांख्यिकी विभाग ने गुरुवार को स्टैटक्राफ्ट सॉफ्टवेयर द्वारा आकड़ों के विष्लेषण संबंधी एक वेबिनार आयोजित किया गया, जिसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थाओं के शिक्षक, शोधार्थियों के साथ साथ अंतरराष्ट्रीय कार्पोरेट संस्थाओं के विश्लेषण अधिकारियों सहित 1370 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग लिया।

प्रो. मनोज बने विभागाध्यक्ष

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग में विभागाध्यक्ष के रूप में प्रो. मनोज दीक्षित को नियुक्त किया गया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देश पर अगले तीन वर्ष के लिए नियुक्ति हुयी है।

AMRTIT VICHAR PAGE 3

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के 26 विभागों में विषय विशेषज्ञों व अतिथि प्रवक्ताओं की कमी है। इस संबंध में गेस्ट फैकेल्टी के रूप में विश्वविद्यायल प्रशासन ने खाली पड़े पदों को भरे जाने का निर्णय लिया है।

इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव की ओर से गुरुवार को खाली पड़े विभागों के हिसाब से पदों की संख्या जारी कर दी गयी है। कुल सचिव विनोद कुमार सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान समेत व्यापार प्रशासन तक कुल 26 विभागों में कुल 288 पदों पर विषय विशेषज्ञों व शिक्षकों की नियुक्ति के लिए आवेदन मांग लिए गये है। उन्होंने बताया कि सभी मानकों को पूरा करते हुए भर्ती की जायेगी। माना जा रहा है कि पद भरने के बाद शैक्षिक गुणवत्ता में भी सुधार आएगा।

आवेदन के बाद साक्षात्कार करेगी समिति

आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद साक्षात्कार के लिए समिति का गठन किया गया है। साक्षात्कार पूरा होने के बाद ही नियुक्ति पाने वाले शिक्षकों को प्रवक्ताओं की सूची जारी की जायेगी। उन्होंने बताया कि नियुक्ति में पारदर्शिता बने रहे इस बात का पूरा ध्यान रखा जायेगा। वहीं जिन प्रवक्ताओं की नियुक्ति फाइनल होगी उनको वेतन सत्यापन के बाद ही दिया जायेगा।

विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड होगा पूरा विवरण

कुल सचिव ने बताया कि जल्द ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर पूरा विवरण अपलोड किया जायेगा। जो लोग आवेदन करना चाहतें हैं वह अपना आवेदन ऑनलाइन भेज सकेंगे।

इस तरह है विश्वविद्यालय के रिक्त पदों की संख्या

मनोविज्ञान में 10 पद पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट में 2 पदए रिन्युबल एनर्जी एंड रिसर्च में 5 पदए लोक प्रशासन विभाग में 8 पदए सांख्याकी विभाग में 8 पदए समाज कार्य विभाग में 34 पदए मानव चेतना एवं योगिक विज्ञान संस्थान में में 3 पदए रसायन 43 पदए वनस्पति विज्ञान में माइक्रोबॉयोलॉजी 20 पदए वनस्पति विज्ञान पर्यावरण विज्ञान 22 पदए महिला अध्ययन 4 पदए रक्षा अध्ययन में 6 पदए कला एवं शिल्प महाविद्यालय में 10 पदए प्राचीन एवं भारतीय इतिहास 4 पदए ज्योति विज्ञान 6 पदए पुस्तकालय विज्ञान में 8 पदए शारीरिक शिक्षा में 4 पदए भाषा विज्ञान में दो पदए विधि विभाग में 18 पदए वाणिज्य विभाग में 15 पदए इसमें बीकॉम व एमकॉम दोनो शामिलए वाणिज्य संकाय बीकॉम आनर्स 24 पदए बीकॉम एचएफसी में 20 पदए व्यापारिक अर्थशास्त्र एमकॉम 8 पद। व्यापार प्रशासन एमबीए 4 पद कुल 288 पदों पर नियुक्ति की जायेगी।